मुख्यमंत्री भजनलाल ने भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश अधिवेशन में भाग लिया और श्रमिकों के कल्याण के प्रति संकल्प दर्शाया।

टोंक से पुनः विजयी बनाने पर आभार जताने पहुंचे सचिन पायलट का शानदार स्वागत

पायलट ने ग्राम पंचायत चन्दलाई और टोडारायसिंह स्थित बरवास में जनसभाओं को भी संबोधित किया

- **पायलट ने कहा कि "प्रदेश में हमारी सरकार नहीं बन पायी लेकिन टोंक की जनता के कल्याण और क्षेत्र में विकास के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जायेगी।"**
- **सचिन पायलट ने कहा, "राज्यसभा उम्मीदवार ए.आई.सी.सी. और हमारा शीर्ष नेतृत्व तय करेगा, जनता व जमीन से जुड़े युवाओं को मौका दिया जायेगा।"**

जयपुर/टोंक, 10 फरवरी। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे। पायलट ने ग्राम पंचायत चन्दलाई और टोडारायसिंह स्थित बरवास पहुंचकर जनसभाओं को भी संबोधित किया। सचिन पायलट जब टोंक पहुंचे तो युवाओं, महिलाओं और पुरूषों ने उनका गर्मजोशी स्वागत किया। पायलट ने कहा कि "प्रदेश में हमारी सरकार नहीं बन पायी परन्तु टोंक की जनता के कल्याण के लिए, क्षेत्र में विकास के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जायेगी। आज मैं आपके बीच आप लोगों को धन्यवाद देने आया हूं। आपके प्यार, आशीर्वाद से टोंक विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी विजयी हुई।" उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, विधानसभा चुनाव के कुछ समय बाद जब करणपुर में उपचुनाव हुए तो भाजपा ने नैतिकता को ताक पर रखकर आचार संहिता का खुला उल्लघंन किया और अपने प्रत्याशी को मंत्री तक बना दिया। इसके बावजूद जनता ने भाजपा को उपचुनावों में नकारा और कांग्रेस प्रत्याशी को विजयी बनाया। जनता का मन जीतने, विश्वास कायम रखने के लिए अलग से काम करना पड़ता है।

सचिन पायलट ने राज्यसभा चुनावों को लेकर मीडिया से कहा कि "परम्परा रही है ए.आई.सी.सी. के अध्यक्ष और कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व पार्टी का उम्मीदवार तप करता है और जिसको भी पार्टी अपना उम्मीदवार बनाएगी, उसको हम यहां से जीत दिलाकर भेजेंगे।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की मीटिंग हुई थी। हमने सभी 25 सीटों पर खुले माहौल में एक साथ चर्चा करके सब लोगों से फीडबैक लिया है। प्रदेश इलेक्शन कमेटी की रिपोर्ट, ए.आई.सी.सी. के पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट और कार्यकर्ताओं की भावना पर भी चर्चा हुई है। सबके आधार पर विश्लेषण करके 25 सीटों पर एक अच्छा पैनल हम लोगों ने तैयार किया है।"

पायलट ने कहा कि, कई जगहों पर एक नाम है, कई जगह दो है तो कई जगह तीन नामों का पैनल है, लेकिन टिकट वितरण का अंतिम निर्णय कांग्रेस की सैंट्रल इलेक्शन कमेटी (सी.ई.सी.) करती है और संकेत यह मिल रहे हैं कि जल्द ही सी.ई.सी. की बैठक बुलाई जाकर नामों पर अंतिम मुहर लगाई जायेगी। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश नौ जवानों को मौका देने की रहती है। विधानसभा चुनावों में जहां-जहां नौजवानों को मौका दिया गया, वहां पर जनता ने हमारे निर्णय को स्वीकार कर नौजवानों को जिताकर विधानसभा में भेजा।

सचिन पायलट ने कहा कि मैंने भी पार्टी से आग्रह किया है कि जनता के काम करने वाले नए एवं साफ छवि के लोगों को मौका दे। बड़ा चुनाव है, बड़ा क्षेत्र होता है, लगातार जो जनसंपर्क करते आए है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे भी यहीं चाहते हैं कि नई पीढ़ी के जागरूक, समर्पित एवं जमीन से जुड़े कार्यकर्ता को मौका देकर पूरे प्रदेश में अच्छा संदेश दिया जाये।

संकल्प पत्र के हर वादे को धरातल पर उतारेंगे-मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा

- **भारतीय मजदूर संघ के 21वें प्रदेश सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा कि, भारतीय संस्कृति मानव का वैचारिक आधार है।**
- **राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक लिम्बा राम तथा भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह डाबी समारोह में उपस्थित थे।**

सिरोही/जयपुर, 10 फरवरी (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, राज्य सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार सिर्फ घोषणाएं ही नहीं करेगी बल्कि संकल्प पत्र में किए गए हर एक वादे को धरातल पर भी उतारेगी। उन्होंने कहा कि इस दिशा में आगे बढ़ते हुए राज्य सरकार ने प्रथम चरण में आंगनबाड़ी कर्मियों एवं पंचायत कर्मियों के मानदेय में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की है, सामाजिक सुरक्षा पेंशन एक हजार रुपए से बढ़ाकर 1150 रुपए प्रतिमाह तथा 73 लाख गरीब परिवार की महिलाओं को 450 रुपए में रसोई गैस सिलेण्डर देने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय किए हैं।

मुख्यमंत्री शनिवार को आबू रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी आश्रम शांतिवन में आयोजित भारतीय मजदूर संघ के 25वें प्रदेश अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि, भारतीय संस्कृति मजदूर संघ का वैचारिक आधार है तथा यह वर्ग मानवता की सेवा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हम सबके लिए राष्ट्र हित सर्वोपरि होना चाहिए तथा इसी अवधारणा से विकसित भारत के संकल्प को पूरा किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सत्ता में आते ही युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले पेपर लीक माफिया पर शिकंजा कसा और पेपर लीक प्रकरणों की जांच के लिए एस.आई.टी. का गठन किया। शर्मा ने कहा कि राज्य में अपराध और संगठित अपराधों पर नियंत्रण के लिए हमारी सरकार ने एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया है। अब अपराधियों के लिए प्रदेश में कोई स्थान नहीं है।

शर्मा ने कहा कि, पूर्वी राजस्थान के जिलों की सिंचाई और पेयजल की समस्या का समाधान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने संशोधित पार्वती कालीसिंध (पी.के.सी.) लिंक परियोजना (एकीकृत ई.आर.सी.पी.) का त्रिपक्षीय समझौता किया है। अब इस परियोजना को त्वरित गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अवसर पर ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम एवं भारतीय मजदूर संघ के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र सिंह डाबी सहित मजदूर संघ के केंद्रीय और प्रांतीय पदाधिकारी मौजूद थे।

'क्या आप यह करना चाह रहे हैं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **सदस्यों द्वारा इस मुद्दे पर हुई खिंचाई के बाद, सभापति धनखड़ ने जानकारी दी कि, शुक्रवार को भारत रत्नों की घोषणा होने के बाद, जयंत ने इस मुद्दे पर बोलने की इजाज़त मांगी थी, अतः उन्हें मौका दिया गया।**

सिंह के आदर्शों की झलक महसूस होती है, उनकी यह टिप्पणी इन कयासों के बीच आई है कि राष्ट्रीय लोक दल (आर.एल.डी.) विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक से अपना समझौता तोड़ने के कगार पर है और आगामी लोकसभा चुनावों के वास्ते वे भाजपा से हाथ मिला सकता है।

राज्यसभा के सभापति द्वारा चौधरी को भारत रत्न से सम्मानित चरण सिंह के बारे में बोलने पर अनुमति देने के बाद कांग्रेस की तरफ तीव्र विरोध प्रकट किया गया और इसके परिणाम स्वरूप सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक हुई। धनखड़ ने विपक्षी नेता मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा पुरस्कार पर आपत्ति जताने को लेकर अपनी अप्रसन्नता जाहिर की और उन्होंने कांग्रेसी नेताओं पर चरण सिंह व उनकी विरासत की बेइज्जती करने का आरोप भी लगाया।

सदन में शोरगुल के बीच चौधरी ने कहा कि, "प्रधानमंत्री मोदी का यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। स्वाभाविक है कि इससे मुझे तो प्रसन्नता होगी ही। भारत रत्न से सम्मानित करना यह केवल चरण सिंह के परिवार तक ही नहीं है। इस निर्णय से किसानों, श्रमिकों व समाज के वंचित वर्गों को शक्ति मिलेगी।" सदन में शांति बहाली के बाद चौधरी ने अपना वक्तव्य पूर्ण किया।

चौधरी ने कहा मैं यह स्वीकार करता हूँ कि मैं पिछले 10 वर्षों से विपक्ष के साथ हूँ। मैंने सत्ता पक्ष की तरफ यहां अभी कुछ समय पहले ही बैठना आरंभ किया है। मैंने पिछले 10 वर्षों में इस सरकार की कार्य प्रणाली में चरण सिंह के आदर्शों की झलकियां देखी हैं।"

जैसे ही शेष दिन के लिए सदन की बैठक शुरू हुई और सूचीबद्ध दस्तावेजों को सदन की टेबलों पर रखने के बाद सभापति ने चौधरी से अपनी बात रखने को कहा। जैसे ही चौधरी ने बोलना शुरू किया अनेक विपक्षी सांसदों ने सदन में खड़े होकर आर.एल.डी. सांसद को बोलने का समय देने का विरोध किया और उन्होंने सभापति से पूछा कि, सदन के किस नियम के तहत चौधरी को बोलने की अनुमति प्रदान की गई है।

यद्यपि, इसके बावजूद चौधरी ने बोलना जारी रखा व कांग्रेसी सदस्यों से अपील की कम से कम वे चरण सिंह का सम्मान तो करें।

उन्होंने कहा, "चुनाव आएंगे व चले जाएंगे, कम से कम चरण सिंह का सम्मान कीजिए।" कांग्रेस की ओर से विरोध जारी रखने पर सभापति ने खड़गे से बोलने के लिए कहा।

खड़गे ने कहा, "नेताओं को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने पर यहां कोई बहस नहीं है। मैं प्रत्येक का सम्मान करता हूँ। परन्तु यदि सदन का कोई सदस्य कोई मुद्दा उठाना चाहता है आप (अध्यक्ष) पूछते हैं "किस नियम के तहत"। (मैं जानना चाहता हूँ) किस नियम के अंतर्गत उन्हें (जयंत चौधरी) को बोलने की अनुमति प्रदान की है।

खड़गे ने सभापति से कहा, "हमें भी अनुमति दीजिए। एक तरफ नियम की बात करते हैं, आपके पास स्वविवेकाधिकार है......उस स्वविवेकाधिकार का इस्तेमाल न्यायपूर्ण तरीके से करना चाहिए, ऐसा नहीं है कि आप जब चाहें तब करें।"

कांग्रेस अध्यक्ष ने सभापति पर "नियमों का अनुपालना नहीं करने" का भी दोषारोपण किया। उन्होंने कहा कि, सदन की कार्यसूची में भारत रत्न पर चर्चा को शामिल किया गया होता तो इसमें सब सहभागिता निभा सकते थे।

शोरगुल के बीच, केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने इस बात को लेकर आश्चर्य प्रकट किया कि कांग्रेस चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने का "विरोध" कर रही है।

रूपाला ने कांग्रेस पर तीव्र प्रहार करते हुए कहा "विपक्ष के नेता आसन को चुनौती दे रहे हैं और वो भी ऐसे अवसर पर (जब भारत रत्न पुरस्कार का उत्सव मना रहे हैं)....कटाक्ष किया-यह कांग्रेस का असली चेहरा है। कांग्रेस बेनकाब हो गई है।"

धनखड़ ने सदन को बताया कि आर.एल.डी. के नेता को सदन में बोलने की इजाज़त इसलिए दी क्योंकि चौधरी ने उनसे शुक्रवार की शाम को बोलने की अनुमति का अनुरोध किया था।

पाकिस्तानी ड्रोन गिराया

जालंधर, 10 फरवरी। सीमा सुरक्षा बल ने गुरदासपुर सीमा पर एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। बी.एस.एफ. के प्रवक्ता ने शनिवार को कहा कि, शुक्रवार की रात के समय, ड्यूटी पर तैनात बी.एस.एफ. जवानों ने गुरदासपुर जिले के गांव रॉसी के पास सीमा पर एक संदिग्ध ड्रोन की गतिविधि को रोका। सैनिकों ने त्वरित प्रतिक्रिया दिखाते हुए उस पर गोलीबारी की और उसे सफलतापूर्वक मार गिराया।

साहू राजस्थान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **यू.आर. साहू अभी तक कार्यवाहक डी.जी. थे। कार्मिक विभाग ने दो साल के लिए डी.जी. पद पर साहू की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं।**

लिए पुलिस महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया है। शुक्रवार को दिल्ली में हुई डी.ओ.पी.टी. की बैठक के बाद उनकी नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं। साहू को भारतीय पुलिस सेवा के शीर्ष स्केल वेतन मैट्रिक्स में लेवल 17 पर पदोन्नत किया गया है। साहू की नियुक्ति के साथ ही आई.पी.एस. भूपेंद्र दक, राजीव शर्मा, श्रीनिवास राव जंगा व रवि प्रकाश मेहरड़ा का डी.जी.पी. बनने का अवसर नहीं रहा। साहू दिसम्बर 2025 में सेवानिवृत्त होंगे।

गौरतलब है कि, पूर्व पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा द्वारा वी.आर.एस. लेने के बाद यू.आर. साहू कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक के तौर पर काम कर रहे थे। साहू वर्ष 1988 बैच के वरिष्ठ आई.पी.एस. अधिकारी हैं। इससे पहले वह महानिदेश गृह रक्षा, महानिदेशक आयोजना आधुनिकीकरण और कल्याण, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक इंटेलिजेंस सहित विभिन्न पदों पर रह चुके हैं।

पाकिस्तान में प्रजातंत्र अभी सांस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **इमरान खान को कुछ झूठे-सच्चे मुकदमों में जकड़ कर अभी जेल में रखा हुआ है तथा चुनाव प्रचार में वे भाग नहीं ले सके थे। सेना द्वारा प्रस्तुत इतनी मुश्किलात के बाद भी चुनाव में इमरान खान सबसे अधिक उम्मीदवार जिता कर लाये हैं, इसे पाकिस्तान में प्रजातंत्र के जीवित होने का प्रमाण माना जा रहा है। क्योंकि वर्तमान स्थिति में इमरान खान को नज़रअंदाज करके, कोई स्थायी व मजबूत सरकार बनाना पाकिस्तान में संभव नहीं लग रहा, चाहे सेना कुछ भी चाहे।**

पार्टी के कई नेताओं को सेना की वजह से इमरान से संबंध तोड़ने पड़े। पाकिस्तान तहरीके इंसाफ के लोगों को निर्दलीय चुनाव लड़ना पड़ा क्योंकि सेना ने उनकी पार्टी को अवैध करार दिया था। जीतने के बाद ये लोग भी एकजुट होकर सरकार बनाने की सोच रहे है। इनमें से कुछ निश्चित रूप से पाला बदल सकते हैं।

लेकिन फिर भी इमरान की पार्टी के निर्दलियों की मदद के बिना बहुमत की सरकार बनाना मुश्किल हो सकता है।

अभी तक 265 सीटों के नतीजे आए है इनमें से 99 पाकिस्तान तहरीक इंसाफ के, 71 पी.एम.एल. (एन.) के भुट्टो परिवार की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को 54 व अन्य को 33 सीटें मिली हैं। सरकार बनाने के लिए 133 सीटें चाहिए। चूंकि इमरान जेल में बंद है वे पहले ही कुछ करने की स्थिति में नहीं है और सरकार बनाने के लिए आवश्यक विचार विमर्श भी नहीं कर सकते हैं। दूसरी और शरीफ बंधू पूरी तरह से सक्रिय है तथा दूसरों को रिझा रहे हैं, इसमें इमरान के निर्दलीय भी है।

पी.पी.पी. के बिलावत भुट्टो प्रधानमंत्री पद के दावेदार हैं। बिलावत असल में बेनज़ीर भुट्टो के बेटे हैं। एक चुनाव प्रचार सभा में बेनज़ीर की हत्या कर दी गई थी।

दूसरी और पी.एम.एल. (एन.) की तरफ से उम्मीदवार शहबाज़ शरीफ हैं, न कि नवाज़ शरीफ। शहबाज़ सेना को भी स्वीकार्य हैं और सहयोगी दलों को भी।

हालांकि गठबंधन सरकार सेना की देखरेख में बनेगी पर इसे भी अस्थिरता से जूझना पड़ेगा। आर्थिक मंदी से देश बदहाल। चीन के शिकंजे में किसी भी सरकार का सत्ता में बने रहना सहज नहीं है।

अपने बी.आर.आई. प्रोजक्ट्स के लिए पाकिस्तान को भारी कर्ज देने के एवज में चीन को भी हिस्सा चाहिए। इसके कुछ प्रोजैक्ट्स तो फायदेमंद हैं पर अधिकांश सफेद हाथी साबित हुए है।

आतंरिक टकराव भी बहुत ज्यादा है। इतने सालों में जिन आतंकियों की हत्या हुई है उनके साथी बदले की फिराक में हैं और अब तो इरान भी छोटे-मोटे कारणों के आधार पर पाकिस्तान पर हमला कर रहा है। भारत के प्रति पाकिस्तान की जो मानसिकता है वह भी जस की तस है। जो भी सत्ता में आता है उसे सेना की निगरानी में ही काम करना होगा।

क्या ई.डी. की कार्यवाही व...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ा देगा क्योंकि वह तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की इस घोषणा से पहल ही जूझ रहा है कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल में अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। इण्डिया गठबंधन अपने प्रमुख रणनीतिकार एवं जद (यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार के एन.डी.ए. खेमे में जाने से लगे झटके से भी अब तक नहीं उबर पाया है।

तथापि, उत्तर प्रदेश में स्थिति अभी अस्पष्ट है, जहां समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच किसी तरह के समझौते के संकेत मिलते रहे हैं, लेकिन यह अटकलें भी तेज है कि इण्डिया गठबंधन का एक अन्य सहयोगी दल जयंत चौधरी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय लोकदल एन.डी.ए. से हाथ मिला रहा है। सरकार ने जब से जयंत चौधरी के दादा एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न देने की घोषणा की है, से जयंत के एन.डी.ए. में जाने की अटकलें और तेज हो गई हैं।

पंजाब में घर-घर राशन पहुंचाने के एक सार्वजनिक कार्यक्रम में केजरीवाल ने हिंदी में कहा कि "लोकसभा चुनाव दो माह में आयोजित हो जाएंगे। पंजाब में लोकसभा की 13 और चंडीगढ़ में एक सीट है। "आप" अगले 10-15 दिन में उक्त सभी 14 सीटों के लिए अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर देगी। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप हमें वैसे ही आशीर्वाद दें जैसे कि दो वर्ष पहले पंजाब के विधानसभा चुनाव में दिया था और आम आदमी पार्टी की सभी 14 सीटों पर एकतरफा जीत सुनिश्चित करें।" आम आदमी पार्टी ने पंजाब विधानसभा की कुल 117 सीटों में से 92 पर विजय प्राप्त की थी।

"आप" प्रमुख ने कहा कि "भगवंत मान सरकार ने मुफ्त बिजली देने सहित दो साल से भी कम समय में कई अच्छे काम किए हैं। कांग्रेस ने पिछले 75 वर्षों में पंजाब में कई बार शासन किया। यदि मैं आपसे यह पूछूं कि आप लोग कांग्रेस द्वारा किए गए किसी अच्छे काम के बारे में बताइए तो आप बता नहीं सकेंगे। यदि मैं पूछूं कि अकाली दल ने कौनसा अच्छा कार्य किया है तो आपको याद नहीं होगा।"

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी गत जनवरी माह में कहा था कि आम आदमी पार्टी पंजाब में लोकसभा चुनाव अपने दम पर ही लड़ेगी।

पैंथर के हमले में तीन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाप्ता मौके पर पहुंचे। घायलों को सागवाड़ा अस्पताल के लिए रैफर किया गया। सूचना मिलने पर आंतरी, पुनाली, मांडव, डेचा, सागवाडा वन विभाग के अधिकारियों सहित वनकर्मी भी मौके पर पहुंचे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उपला घरा नोका में घरों के बाहर बंधी गाय और बकरियों पर पैंथर ने हमला कर दिया। पशुओं की चिल्लाने की आवाज सुनकर जयनारायण, पुत्र वेलजी रोतए, गणपत, पुत्र लगा रोत और हीरा पुत्र वालजी रोत पशुओं को बचाने की कोशिश करने लगे। जिस पर पैंथर ने हमला करके तीनों को घायल कर दिया। घायलों की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद पैंथर पास ही के एक एनिकट में झाडियों में छुप कर बैठ गया।

ग्रामीणों ने बताया कि, पास के ही जंगल से एक साथ दो पैंथर गांव में आए तथा घरों के बाहर बंधी गाय और बकरी का शिकार किया है। जिसमें एक पैंथर पास ही स्थित महादेव मंदिर की तरफ झांडियों में चला गया था। दूसरे पैंथर के पैर में चोट होने की वजह से वह चल नहीं पा था जिससे वह पास में बने एक एनिकट की झांडियों में जाकर बैठ गया। मौके पर मौजूद पुलिस और वनविभाग की टीम ने उदयपुर से पैंथर को ट्रैंकुलाइज़ करने वाली टीम को बुलाया है।

पंजाब में भाजपा व अकाली...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अकाली दल के साथ चुनाव पूर्व समझौता हो जाता है तो, त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति में भाजपा को पंजाब में पैठ बनाने में मदद मिलेगी। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का मानना है कि, नीतीश कुमार की जद (यू) और जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोक दल को एन.डी.ए. में शामिल करके "इण्डिया ब्लॉक" को कमजोर करने में, भाजपा की सफलता के बाद शिरोमणि अकाली दल से मित्रता बढ़ाकर भाजपा, पंजाब में अपनी स्थिति और मजबूत कर लेगी।

शिरोमणि अकाली दल वर्ष 2020 तक भाजपा का गठबंधन सहयोगी रहा था। भाजपा के प्रस्तावित तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन के चलते वह एन.डी.ए. से अलग हो गया था। शिरोमणि अकाली दल ने पिछले विधानसभा चुनावों में मायावती की बसपा के साथ गठबंधन किया था। लेकिन, वर्ष 2020 के विधानसभा चुनावों में उसे करारी हार का सामना करना पड़ा, राज्य की 119 सीटों में से केवल तीन सीट पर जीत हासिल हुई थी। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल, जो अभी "पंजाब बचाओ यात्रा" निकाल रहे हैं, भाजपा के साथ गठबंधन करने के इच्छुक हैं परंतु, लोकसभा चुनाव में भाजपा से एक सीट ज्यादा पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। वे भाजपा को छह सीट देना चाहते हैं और अपने लिए सात सीटें रखना चाहते हैं।

सीट बंटवारे पर दो दौर की चर्चा पहले ही हो चुकी है तथा भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से अंतिम दौर की चर्चा के लिए, बादल अगले सप्ताह की शुरुआत में नई दिल्ली पहुंचने वाले हैं। दिलचस्प बात यह है कि, कैप्टन अमरिंदर सिंह और सुनील जाखड़ सहित कांग्रेस से भाजपा में आए नेता, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के नेताओं की "बैक चैनल" बातचीत में सक्रिय रुप से शामिल रहे हैं। पंजाब में केजरीवाल की "एकला चालो" रणनीति का, आप और कांग्रेस के मध्य, दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के बंटवारे पर चल रही बातचीत पर, प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। समझा जाता है कि, दोनों पार्टियां दिल्ली के लिए, 4:3 के फॉर्मूले पर सहमत हो गई हैं। यद्यपि यह स्पष्ट नहीं है कि, दोनों पार्टियों में से कौन सी पार्टी चार सीटें व कौन सी तीन सीटें लेने पर सहमत होगी।

नरसिम्हा राव को भारत रत्न देकर, क्या...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **यह इतना आमूल-चूल साहसी परिवर्तन था कि, देश ने गिरवी रखा सोना वापस मंगा लिया। विदेशी मुद्रा की स्थिति इतनी बदली कि, इकोनॉमिक सैक्रेटरी मोटेंक सिंह स्वयं हतप्रभ रह गये थे, जैसा कि, उन्होंने कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में पत्रकार सम्मेलन में अंजन से शेयर किया था। राव की वह एतिहासिक भूमिका इकोनॉमिक रिफॉर्म्स के मामले में एक जादूगर से कम नहीं थी।**

वे रिटायरमैंट का जीवन जीना चाहते हैं। पटेल ने ही डॉ. मनमोहन सिंह का नाम सुझाया और कहा कि यह जिम्मेवारी उठाने के लिए मनमोहन सिंह बैस्ट है। डॉ. सिंह सरकार के सर्वोच्च स्तर के सर्वाधिक अनुभवी आर्थिक प्रबंधक थे और रिज़र्व बैंक के गवर्नर भी रह चुके थे।

नरसिम्हा राव सरकार द्वारा शुरु किए गए आर्थिक सुधार बिल्कुल नए नहीं थे। पूर्व वित्त मंत्री यशंवत सिन्हा ने प्रायः यह दावा करते थे कि नॉर्थ ब्लॉक में उनके कार्यकाल के दौरान आर्थिक सुधारों का ब्लूप्रिंट मूर्तरूप लेने के लिए तैयार था, लेकिन ऐसा कुछ करने से पहले सरकार चली गई। पहले रही राजनीतिक साहस एवं दृढ़ता की कमी के विपरीत आर्थिक एवं संरचनात्मक सुधार लागू हो गए। नरसिम्हा राव ने जो पहल की वह थी- इन सुधारों को लागू करने में वित्त मंत्री का राजनीतिक सहयोग। वित्त मंत्री को दृढ़ समर्थन दिए बिना आर्थिक सुधारों को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता था।

यह एक राजनीतिक जुआ भी था। उस वक्त के आर्थिक सुधारों ने बड़े चौंकाने वाले परिणाम दिए। रूस की सोवियत संघ समाजवादी प्रतिबंधात्मक आर्थिक नीतियां समाप्त हो रहीं थी जिससे एक पूर्णकालिक संकट उत्पन्न हो गया। उसकी अर्थव्यवस्था एक तरह से तबाह हो गई थी। चिंता इस बात को लेकर थी कि इस तरह के आर्थिक सुधार लागू करने से भारत में भी कहीं रूस जैसी स्थिति ना हो जाए। नरसिम्हा राव की चतुराई एवं राजनीतिक समझ ने आर्थिक सुधारों के समय और उनकी वैश्विक अनुकूलता को चयन में मदद की।

बैरभाव एवं अनिश्चितता से भरे अन्तर्राष्ट्रीय माहौल के बीच इनमें से कुछ सुधारों ने आज की समृद्धि की नींव रखी। नरसिम्हा राव की नई सरकार ने सबसे पहले वर्ष 1956 के उस औद्योगिक नीति प्रस्ताव को रद्द किया, जिसने वास्तव में भारत के औद्योगिक विकास को अवरूद्ध कर दिया था।

पहले की नीतियों से बिल्कुल अलग हटकर बनाई गई एक नई नीति थी रूपए की बाजार आधारित विनियम दर लागू करना। इससे पहले तक भारतीय रूपए का मूल्य प्रशासनिक रूप से तय किया जाता था, जिसका सीधा सा मतलब था रूपए की विनिमय दर को कृत्रिम रूप से ऊंचा बनाए रखना जिससे आयात प्रोत्साहित होते और निर्यात हतोत्साहित।

डॉ. सिंह ने अपने आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया में सबसे पहले रूपए की विनिमय दर पर जोर दिया, लेकिन नरसिम्हा राव ने इस संबंध में एक चरणबद्ध प्रक्रिया अपनाने पर जोर दिया था और उन्हीं के कहने पर विशेषज्ञों की एक टीम ने दो चरणों की प्रक्रिया तैयार की, जिसमें रूपए को एक दोहरी विनिमय दर प्रणाली के अन्तर्गत आंशिक रूप से परिवर्तनीय बनाया गया। उसके कुछ समय बाद ही बाजार आधारित एकीकृत विनिमय दर प्रणाली लागू की गई। इसके साथ ही व्यापार सुधार भी लागू किए गए। और जैसा कि कहा जाता है कि समस्या कभी अकेली नहीं आती, व्यापार सुधारों की बंगाल के वामपंथी नेताओं की अगुवाई में आलोचना की जाती रही।

वर्ष 1992 तक हर्षद मेहता घोटाला सामने आ चुका था जिसने भारत के वित्तीय सिस्टम को हिलाकर रख दिया। यह जरूरी मान लिया गया कि वित्तीय सैक्टर में व्यापक सुधार किए बिना आर्थिक सुधार आंशिक रूप से भी प्रभावी नहीं हो सकते। इनमें शेयर मार्केट के सुधार भी शामिल थे और सरकार ने विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिए भारतीय शेयर बाजार में निवेश के द्वार खोल दिए। इससे बॉम्बे स्टॉक एक्सचैंज में कुछ सुस्थापित ब्रोकर्स का क्लोज्ड स्टॉक एवं पूंजी बाजार पर नियंत्रण समाप्त हो गया।

मुझे याद है कि आर्थिक सुधारों के लागू होने के करीब दो वर्ष बाद कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित एक मीटिंग में मॉन्टैक सिंह अहलूवालिया इस तथ्य को जानकर स्वयं दंग रह गए कि आर्थिक नीतियों में आमूलचूल परिवर्तन करने के बाद भारत का विदेशी मुद्रा भण्डार इतनी प्रचुर मात्रा में हो गया है जितना स्वतंत्रता के बाद पहले कभी नहीं हुआ था।

वास्तव में, नरसिम्हा राव सरकार द्वारा किए गए आरम्भिक सुधारों के बाद अब तक की किसी भी सरकार ने मूलभूत आर्थिक सुधार करने से परहेज किया है। किसी भी सरकार ने राव सरकार के उन आर्थिक सुधारों की उपलब्धियों की तरफदारी नहीं की जिसमें एक विशुद्ध राजनेता ने एक विशुद्ध अर्थशास्त्री के साथ मिलकर काम किया था।

भारत की आर्थिक उपलब्धियों के वृत्तांत का जिक्र करते वक्त यह कहने में अक्सर भूल हो जाती है कि यदि नरसिम्हा राव के प्रधानमंत्रित्व काल में ऐसा नहीं होता तो भारत को वर्तमान उज्ज्वल आर्थिक स्थिति कभी हासिल नहीं की जा सकती थी, लेकिन राव अवांछित बने हुए हैं, उन्हें नए भारत के निर्माता के रूप में वास्तव में कभी मान्यता नहीं दी जाती। राव को भारत रत्न प्रदान कर देश ने इस मृदुभाषी एवं राजनीति के पण्डित के मौलिक योगदानों को स्वीकार कर लिया है।

कैम्बे गोल्फ कोर्स...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आवंटन की शर्तों का उल्लंघन किया है। ऐसे में भूमि का आवंटन निरस्त करने की कार्रवाई विधि सम्मत है। जेडीए अधिकरण ने अपने फैसले में मैसर्स नीसा लेजर व एक्सिस ट्रस्टी की अपीलों को खारिज करते हुए माना था कि राज्य सरकार ने कंपनी को जमीन गोल्फ कोर्स व गोल्फ एकेडमी के लिए दी थी, लेकिन उसने यहां होटल और रिसोर्ट बना लिया। हाईकोर्ट में एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेज ने जेडीए की कार्रवाई और अधिकरण के फैसले को चुनौती देते हुए कहा कि उन्होंने मैसर्स नीसा लेजर को इस जमीन को गिरवी रखकर करीब 175 करोड़ रुपए दिए थे। उन्हें इस राशि की रिकवरी करनी है। इसलिए जमीन का आवंटन और लीज डीड को निरस्त करने के आदेश को रद्द किया जाए। वहीं नीसा लेजर की ओर से कहा गया की पंजीकृत लीज डीड को जेडीए अपने स्तर पर निरस्त नहीं कर सकता।

यह कार्रवाई सिविल कोर्ट में पीडित व्यक्ति की ओर से पेश दावे में ही हो सकती है। इसका विरोध करते हुए जेडीए की ओर से कहा गया की जमीन गोल्फ कोर्स में गोल्फ एकेडमी के लिए दी थी, लेकिन कंपनी ने यहां होटल व रिसोर्ट बनाकर आवंटन की शर्तो का हनन किया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद एकलपीठ ने याचिका को खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि जेडीए ने 23 अगस्त, 2017 को इस जमीन का आवंटन निरस्त कर दिया था।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908